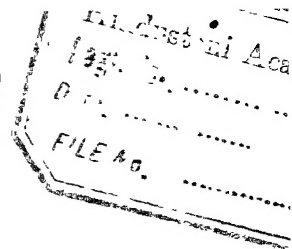
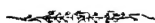


षोडशी



अर्थात्

श्रीयुक्त प्रभातकुमार मुखोपाध्याय-लिखित
वँगला की सौलह आख्यायिकाओं का
हिन्दी-अनुवाद



अनुवादक

श्रीजनार्दन झा



प्रकाशक

इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग

१९२२

संशोधित संस्करण]

[मूल्य १।]